गैरसैंण, सोमवार
30 मार्च 2026
वर्षः 16
अंकः 302 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिर की छत गिरी, महिला श्रद्धालु की मौत, दो घायल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के त्रिची में प्रसिद्ध सामयापुरम मरियम्मन मंदिर के मंडपम में सो रही एक महिला श्रद्धालु की छत का हिस्सा गिरने से मौत हो गई। सामयापुरम मरियम्मन मंदिर तमिलनाडु के सबसे बड़े शक्ति मंदिरों में से एक है। दूर-दूर से श्रद्धालु पैदल चलकर यहां आते हैं, रात को मंडपम में रुकते हैं और सुबह माता मरियम्मन के दर्शन करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थंजावुर जिले से अपने परिजनों के साथ आई नथिया (32) अन्य श्रद्धालुओं के साथ मंडपम में सो रही थी। रात को अचानक छत का एक बड़ा हिस्सा टूटकर तीन महिलाओं पर आ गिर गया। नथिया को भी इस हादसे में गंभीर चोटें आईं उसकी मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दो अन्य महिलाओं को वहां मौजूद दूसरे श्रद्धालुओं ने बचाया और अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। यह सवाल उठ रहे हैं कि इतने बड़े और प्रसिद्ध मंदिर में इमारत की नियमित जांच क्यों नहीं होती और श्रद्धालुओं की सुरक्षा का जिम्मा कौन लेगा। यह हादसा उस वक्त हुआ जब मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। एक तरफ जहां लोग आस्था लेकर आते हैं वहीं इस तरह की घटनाएं मंदिर प्रशासन की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

पटना के दलदली रोड में भीषण अग्निकांड, मकान में फंसे 4 लोग, फायरकर्मियों ने किया रेस्क्यू

पटना (एजेंसी)। राजधानी के गांधी मैदान थाना क्षेत्र अंतर्गत दलदली रोड में शनिवार देर रात एक आवासीय मकान में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना रात करीब 2:30 बजे की है, जब प्रेम कुमार नामक व्यक्ति के मकान में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि महज पांच मिनट के भीतर पूरी बिल्डिंग धू-धू कर जलने लगी। आग की तेज लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के घरों के लोग और दुकानदार जान बचाकर बाहर की ओर भागे। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि संकरी गलियां और पतले रास्ते होने के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने करीब ढाई घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। हालांकि, जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक मकान के भीतर रखा सारा कीमती सामान जलकर राख हो चुका था। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और ब्लैकमेलिंग मामले का आरोपी गिरफ्तार

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 28 मार्च को सिटी थाना फिरोजपुर झिरका में मामला दर्ज किया गया। यह केस हरियाणा धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2022 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। इस संबंध में शिकायतकर्ता महिला, जो पंजाबी समुदाय से बताई जा रही है, ने आरोप लगाया है, कि आरोपी जाहिर पुत्र यूनुस ने पहले उससे ऑनलाइन दोस्ती की। बाद में शादी का झांसा देकर उसे मेवात क्षेत्र में बुलाया, जहां एक होटल में उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने घटना के दौरान अश्लील वीडियो बना लिया और बाद में उसी के जरिए उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि आरोपी लगातार धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालता रहा और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपी ने महिला को धमकाकर वहां से भगा दिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से संपर्क कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और न्याय की मांग की। पुलिस ने आरोपी की पहचान जाहिर पुत्र यूनुस, निवासी फिरोजपुर झिरका के रूप में की है और उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी अजायब सिंह ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा सके। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बीजेपी सांसद और विधायक ने किया कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

-पालम की बदलेगी तस्वीर, भविष्य की योजनाओं पर होगा तेजी से काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और विधायक कुलदीप सोलंकी ने शनिवार को 12 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का औपचारिक शुभारंभ किया। इन योजनाओं के तहत क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं, जैसे सड़कों, गलियों, नालियों और पार्कों को आधुनिक और बेहतर बनाया जाएगा। एक शिलान्यास समारोह के दौरान बिधूड़ी और सोलंकी ने विकास कार्यों की नींव रखी। इस बजट से पालम गांव में होगी सड़क और ड्रेनेज (जल निकासी) व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, क्षेत्र के पार्कों में दो नए जिम और बच्चों के लिए लगाए जाएंगे झूले, राजनगर की गलियों का पुनर्निर्माण, गोकल गार्डन की सड़क, शिक्षा भारती से रामफल चौक तक की सड़क, सेक्टर-7 की मुख्य रोड और वर्धमान माल से दादा देव श्मशान घाट तक की सड़क का निर्माण कार्य शामिल है। सांसद बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पूरे पालम विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए कुल 187 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। उन्होंने पिछले एक साल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि दिल्ली में आरोग्य मंदिर, इलेक्ट्रिक बसें, अटल कैंटीन और स्कूलों में कंप्यूटर जैसी सुविधाओं पर तेजी से काम हुआ है। उन्होंने भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में यमुना की सफाई, सीवर मास्टर प्लान और पानी की पुरानी पाइपलाइनों को बदलने जैसी बड़ी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। इन कार्यों के पूरा होने से दिल्ली तेजी से विकास के पथ पर दौड़ती नजर आएगी।

पुरुलिया रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा...

बंगाल में अगर बीजेपी आई तो लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, कि यदि बीजेपी राज्य में सत्ता में आती है, तो वह बंगाल की पारंपरिक खान-पान संस्कृति पर रोक लगा सकती है। बीजेपी के आने पर लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे।

रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ऐसे विचारों को बढ़ावा देती है, जिनमें मछली, मांस और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध की बात कही जाती है। उन्होंने दावा किया कि यह बंगाल की सांस्कृतिक पहचान पर सीधा हमला होगा। उन्होंने भाजपा पर धार्मिक और जातीय विभाजन करने के साथ ही दंगे भड़काने के आरोप भी लगाए।

टीएमसी सुप्रीमो ममता ने बीजेपी शासित राज्यों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां आदिवासियों का शोषण होता है और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। अपने भाषण में ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा टीएमसी के खिलाफ जारी की गई 'चार्जशीट' निराधार है और असल में भाजपा को अपने पिछले रिकॉर्ड का जवाब देना चाहिए। उन्होंने गुजरात के दंगों का जिक्र करते हुए बीजेपी की आलोचना की।

इसके साथ ही ममता बनर्जी ने राज्य सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी चुनाव से पहले लाभ देने का वादा करती है, लेकिन बाद में योजनाओं को बंद कर देती है।

चुनाव आयोग की प्रक्रिया 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि करीब 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें उनके समर्थक शामिल हैं। साथ ही, उन्होंने आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादलों को लेकर भी असंतोष जताया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

अमेठी में पुलिस ने सपा कार्यकर्ता के घर से 1400 लीटर पेट्रोल-डीजल किया जब्त

अमेठी। यूपी के अमेठी में डीजल-पेट्रोल की कमी की अफवाहों और पेट्रोल पंप पर लग रही भीड़ को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में सपा कार्यकर्ता के घर से भारी मात्रा में तेल बरामद किया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने बरामद तेल को जब्त करते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरा मामला जनपद अमेठी कोतवाली क्षेत्र के भरेथा निधि के पुरवा गांव का है। जहां शनिवार को प्रशासन को सूचना मिली थी की कि किसी घर में बड़ी मात्रा में डीजल और पेट्रोल रखा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने करीब 1400 लीटर डीजल-पेट्रोल बरामद किया है। तेल को चार नीले ड्रम, एक पानी की टंकी और चार छोटे डिब्बों में भरकर अवैध रूप से डंप किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर तेल जमा करने वाले दयाराम यादव के खिलाफ विधिक कार्यवाही शुरू कर तेल जब्त कर लिया है। वहीं दयाराम यादव समाजवादी पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता और पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति का करीबी बताया जा रहा है। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद सप्लाई विभाग के अधिकारी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं इस मामले को लेकर सप्लाई इंस्पेक्टर शुभम चौधरी ने बताया की सूचना पर पहुंचकर छापा मारा गया।

भारत की पाकिस्तान-बांग्लादेश बॉर्डर पर एंटी ड्रोन-सेंसर से निगरानी : चीन सीमा पर पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर और गलवान झड़प के बाद सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर एंटी-ड्रोन, सेंसर और लेजर की मदद से निगरानी की जा रही है। वहीं, लद्दाख में चीन सीमा पर 29 नए आउटपोस्ट तैयार किए गए हैं। साथ ही भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की सालना रिपोर्ट 2024-25 के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान सीमा पर जम्मू क्षेत्र और भारत-बांग्लादेश सीमा पर धुबरी में 5-5 किमी इलाके में 'कंप्रीहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम' (सीआईबीएमएस) के दो पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। सीआईबीएमएस कई तकनीकों और संसाधनों का एक नेटवर्क है। वहीं, म्यांमार सीमा पर अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में 'हाइब्रिड सर्विलांस सिस्टम' पर काम जारी है। सीमाओं पर ड्रोन के बढ़ते खतरे को देखकर सुरक्षा बलों को स्पेशल ट्रैनिंग और मॉडर्न उपकरणों से लैस किया जा रहा है। यह सिस्टम अवैध हवाई घुसपैठ का पता लगाने और खत्म करने में प्रभावी है। जीआईएस लेयर और पीएम गति शक्ति पोर्टल का इस्तेमाल सीमावर्ती बुनियादी ढांचे की सटीक मैपिंग और रणनीतिक योजना बनाने के लिए हो रहा है। यह संवेदनशील इलाकों की निगरानी सुनिश्चित करता है। आईटीबीपी ने 2022 से 2024 के बीच 29 नए बॉर्डर आउटपोस्ट बनाए हैं। इससे कुल संख्या 209 हो गई है। यह बढ़ोतरी जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद की गई है। तब आईटीबीपी के 180 आउटपोस्ट थे। नए आउटपोस्ट बनने से दूर-दराज के हाई-एल्टीट्यूड इलाकों में आईटीबीपी की सालभर मौजूदगी बनी रहेगी। साथ ही फॉरवर्ड पोस्ट के बीच कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, 2017-18 में आईटीबीपी औसतन 173 पेट्रोलिंग प्रति माह करता था। यह संख्या 2023-24 में बढ़कर करीब 500 प्रति माह हो गई, यानी करीब 3 गुना बढ़ोतरी हुई है।

बिना पट्टे के कुत्ते को घुमाया, सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधा तो लगेगा जुर्माना

-दिल्ली नगर निगम के बदलेंगे नियम, लोकसभा में जन विश्वास विधेयक हुआ पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम ने पुराने नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर ली गई है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास विधेयक, 2026 पेश किया है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य छोटे अपराधों के लिए जुर्माने की राशि को बढ़ाना और पुराने कानूनों को आज के समय के मुताबिक प्रासंगिक बनाना है। नए विधेयक में यदि कोई मालिक अपने पालतू कुत्ते को बिना पट्टे के सड़क पर घुमाता है, तो उसे अब 50 रुपए के बजाय 1,000 रुपए जुर्माना देना होगा। इसी तरह सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधने पर भी जुर्माने की राशि 100 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और पेशाब करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। पहले इसके लिए 50 रुपये का जुर्माना लगता था, जिसे अब बढ़ाकर 500 रुपए किया जा रहा है। गंदगी न हटाने पर पहली बार पकड़े जाने पर चेतावनी दी जाएगी, लेकिन दूसरी बार उल्लंघन करने पर सीधे 500 रुपए का जुर्माना लगेगा। कूड़ा फेंकने या सड़क पर गंदगी बहाने पर भी अब 50 के बजाय 200 रुपए देने होंगे।

विधेयक में कई अन्य नागरिक नियमों के उल्लंघन पर भी दंड बढ़ाया गया है। मकान नंबर मिटाने पर जुर्माना 50 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है। खतरनाक आतिशबाजी पर 50 की जगह पर अब 500 रुपए देने होंगे। निगम अधिकारी को परिसर में आने से रोकने पर जुर्माना 50 से बढ़कर 500 रुपए किया जा रहा है। आदेश के बाद भी असुरक्षित इमारत में रहने पर जुर्माना 200 से बढ़ाकर 1,000 रुपए किया गया है। विधेयक में एक मानवीय बदलाव भी किया गया है। पुराने नियम के तहत, यदि कोई सफाईकर्मी बिना सूचना दिए काम से गायब रहता था, तो उसे एक महीने की जेल हो सकती थी। नए प्रस्ताव में इस अपराध की श्रेणी को खत्म कर दिया गया है और जेल की जगह केवल 500 रुपए का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य करने बने कानून

-आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य बनाने के लिए कानून बनाया जाए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मांग उठाई थी। कंग ने कहा था कि आज हमारे समाज में तलाक और घरेलू हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। जब नया रिश्ता जुड़ता है तो लड़की के बारे में बहुत जांच-पड़ताल की जाती है, लेकिन लड़कों को लेकर उतनी जांच-पड़ताल नहीं होती। उनका कहना था कि शादी के समय लोग इस तरह की चीजें छिपा लेते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार से मांग है कि एक कानून बनाया जाए कि शादी के समय डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच अनिवार्य हो। उन्होंने कहा कि शादी के बाद कई बार सामने आता है कि लड़का गंभीर रूप से बीमार है या फिर वह आपराधिक प्रवृत्ति का है। इससे महिलाओं के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कंग ने कहा कि दूल्हे के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए कि वह मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और डोप टेस्ट का सर्टिफिकेट लड़की वालों के सामने पेश करे और तभी शादी हो।

कांग्रेस के उज्जवल रमण सिंह ने सरकार से ऑनलाइन कारोबार पर अंकुश लगाने और छोटे एवं मझौले व्यापारियों के हितों के संरक्षण की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को शून्य काल में इस बारे में नियम बनाने और छोटे दुकानदारों और मझौले व्यापारियों का व्यवसाय को बचाने के उपाय करने की सरकार से मांग की। वहीं सपा के वीरेन्द्र सिंह ने किसानों के घरों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने पर बिल बढ़कर आने तथा प्रीपेड मीटर लगाने से उन्हें हो रही कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनकी समस्यायें दूर करने की मांग की।

बीजेपी के निशिकांत दुबे ने मुस्लिमों और ईसाइयों से विवाह करने वाली आदिवासी युवतियों का अनुसूचित जनजाति का दर्जा समाप्त करने की मांग की। बीजेपी के ही चन्दूभाई छगनभाई शिहोरा ने गुजरात के सुरेन्द्र नगर इलाके के नमक किसानों को बारिश से हुए नुकसान की भरपाई करने और उन्हें भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। सपा के आनंद भदौरिया ने यूपी में शहीदों और संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किये जाने का मुद्दा उठाया और इसके दोषियों को सजा देने की मांग की। कांग्रेस के डॉ. प्रशांत यादव राव पडोले ने 2027 की जनगणना के लिए तय प्रारूप के कॉलम में अन्य पिछड़ा वर्ग को भी जोड़ने की मांग की।

25 साल पुराना सपना सच, भारत के सबसे बड़े एयरपोर्ट से अगले 60 दिनों में शुरू होंगी उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के औपचारिक उद्घाटन के साथ ही भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को किए गए इस उद्घाटन के बाद अब सभी की निगाहें कमर्शियल ऑपरेशंस शुरू होने पर टिकी हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम की अंतिम मंजूरी मिलते ही यहाँ से व्यावसायिक उड़ानें पूरी तरह शुरू हो जाएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले 45 से 60 दिनों के भीतर सभी सुरक्षा मानक पूरे कर लिए जाएंगे और एयरपोर्ट एंट्री पास जारी होने के बाद स्टेकहोल्डर्स अपना काम शुरू कर सकेंगे।

लगभग 6,200 हेक्टेयर भूमि पर पांच चरणों में विकसित किए जा रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का पहला चरण 11,200 करोड़ रुपये की लागत से सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर तैयार हुआ है। शुरुआत में यहाँ से घरेलू उड़ानों का परिचालन होगा, जिसमें दिल्ली और मुंबई जैसे

मेट्रो शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए सेवाएं विस्तार लेंगी। जहाँ तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का सवाल है, इसमें थोड़ा अधिक समय लग सकता है क्योंकि इसके लिए आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग की गहन समीक्षा और मंजूरी अनिवार्य है। हालांकि, इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कनेक्टिविटी के मामले में यह एयरपोर्ट देश के सबसे सुगम हवाई अड्डों में से एक होगा। इसे यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े सड़क मार्गों से जोड़ा गया है। साथ ही रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी पर भी तेजी से काम चल रहा है। एयरपोर्ट के आसपास फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क और सेमीकंडक्टर पार्क जैसी औद्योगिक इकाइयां विकसित की जा रही हैं। इस परियोजना से सीधे तौर पर 50,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। तकनीकी रूप से यह एयरपोर्ट वैश्विक स्तर का है। पहले चरण में 3,900 मीटर लंबा रनवे तैयार किया गया है, जो आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और हर मौसम में उड़ान भरने की सुविधा से लैस है। यहाँ 40 एकड़ में विमानों की मरम्मत के लिए विशेष केंद्र बनाया गया है। भविष्य में यहाँ कुल 8 रनवे बनाने की योजना है। एयरपोर्ट का डिजाइन बनारस के घाटों और भारतीय हवेलियों की वास्तुकला से प्रेरित है, जो इसे सांस्कृतिक पहचान भी देता है। फार्म टू ग्लोबल मार्केट मॉडल के तहत यहाँ से पश्चिमी यूपी के किसानों के उत्पाद और राज्य के करीब 1 करोड़ एमएसएमई उद्योगों का सामान सीधे वैश्विक बाजारों तक पहुँच सकेगा।

बाबा खरात ने पति को किया बाहर, महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर किया रेप

-ज्योतिषी खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज, व्यापारी से ठगे लाखों

मुंबई, (एजेंसी)। नासिक के स्वयंभू बाबा और ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज हुआ है। सरकारवाड़ा पुलिस थाने में दो नए केस दर्ज किए गए हैं। एक शिकायत में कहा गया है कि खरात ने नेवासा फाटा अहिल्यानगर के एक व्यापारी से 2.6 लाख रुपए ठगने का आरोप है। वहीं दूसरा मामला महिला के यौन शोषण का है। आरोप है कि अगस्त 2024 से दिसंबर 2024 के बीच अशोक खरात ने महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला का आरोप है कि चार महीने के अंदर अशोक खरात ने चार बार उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में कहा गया है कि पीड़िता की शादी 2013 में हुई थी। एक बेटी का जन्म हुआ और फिर पति से अनबन हो गई। 2022 में एक रिश्तेदार ने दंपती को अशोक खरात से मिलवाया। उनकी सलाह के बाद पति-पत्नी साथ रहने लगे। अगस्त में दंपती खरात से मिलने गया था। खरात ने पति से बाहर इंतजार करने को कहा और इसके बाद महिला को अंदर ले गया। तांबे के बर्तन में कोई नशीला पदार्थ दिया।

पुलिस ने बताया कि खरात ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और धमकी भी दी कि अगर यह बात किसी से बताई तो दैवीय शक्तियां जीवन तबाह कर देंगी। इसके बाद खरात ने कई बार उसे बुलाकर रेप किया और जीवन खराब होने के डर से महिला चुप रही। रेप मामले में खरात की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता सब कुछ बताने की हिम्मत जुटा पाई। महाराष्ट्र में नासिक के स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ पुलिस हेल्पलाइन के जरिए 100 से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गई हैं जिनमें लगभग 70 फीसदी शिकायतकर्ता महिलाएं हैं।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को कहा कि कई पीड़ित, विशेष रूप से महिलाएं, बदनामी के डर, सामाजिक कलंक और आरोपी के राजनीतिक संबंधों के कारण शिकायत देने में संकोच कर रहे थे। इसे हल करने के लिए अधिकारियों ने पीड़ितों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक गोपनीय हेल्पलाइन शुरू की, जिसे काफी प्रतिक्रिया मिली है। खरात के खिलाफ आरोपों में धोखाधड़ी और यौन शोषण दोनों शामिल हैं। पुलिस जांच कर रही है और अधिकारियों ने सभी पीड़ितों से बिना किसी डर के आगे आने का आग्रह किया है। इसके साथ ही खरात के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

चुनावों में जमकर बंट रहीं मुफ्त की रेबड़ियां, महिलाओं के खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपये होंगे जमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेताओं ने वोट खरीदने का एक आसान और सरल रास्ता अपना लिया है। ये बात कोई और नहीं बल्कि आम आदमी कहता सुना जा रहा है। इस बार के चुनावों में राज्यों में होड़ लगी हुई है मुफ्त में रेबड़ियां बांटने की। नतीजा आम आदमी की जेब से निकलकर सीधे साढ़े 24 सौ करोड़ रुपए महिलाओं को बांट दिए जाएंगे। ताकि उन्हे वोट मिले और सत्ता पर काबिज हो जाएं।

5 राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही राजनीतिक दलों ने सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए कैश ट्रांसफर यानी सीधे नकद सहायता को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। एक विश्लेषण के अनुसार, चुनावी राज्यों में चार प्रमुख सरकारें महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 24,500 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर रही हैं।

इन दलों का चुनावी वादा भी यही है कि यदि वे दोबारा सत्ता में आते हैं, तो अगले पांच वर्षों तक यह वित्तीय सहायता निर्बाध रूप से जारी रहेगी। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो इन चार राज्यों में कुल 17.89 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 4.1 करोड़ महिलाएं इन नकद योजनाओं की सीधी लाभार्थी हैं। यानी कुल वोटरों का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा सीधे तौर पर इन योजनाओं से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों में इस नकद राजनीति के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ सरकार ने स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खातों में 2-2 हजार रुपये डाल दिए हैं। वहीं, असम में बिहू उत्सव के उपलक्ष्य में महिलाओं को 4-4 हजार रुपये की सहायता दी गई है। केरल की वामपंथी सरकार स्त्री सुखम नकद योजना के जरिए करीब 10 लाख महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये दे रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अपनी प्रसिद्ध लक्ष्मी भंडार योजना की राशि में 500 रुपये की बढ़ोतरी की है। दिलचस्प बात यह है कि खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद बंगाल सरकार को इस योजना के लिए अगले साल 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ेगा।

पिछले पांच वर्षों के चुनावी रुझान बताते हैं कि महिलाओं को नकद सहायता देने वाले राज्यों की संख्या 1 से बढ़कर अब 15 हो गई है। ये राज्य सालाना लगभग 2.46 लाख करोड़ रुपये 13 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में भेज रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने इस रेवड़ी संस्कृति के दुष्प्रभावों पर भी चिंता जताई है। आंकड़ों के अनुसार, झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास बजट का 81 प्रतिशत हिस्सा नकद ट्रांसफर में खर्च कर रहा है। इसके चलते महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को बुनियादी विकास कार्यों और अन्य महत्वपूर्ण खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। कई विकास परियोजनाएं धन के अभाव में अधूरी पड़ी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल नकद योजनाओं के दम पर चुनाव जीतना हमेशा संभव नहीं होता। सीएसडीएस के निदेशक प्रो. संजय कुमार के अनुसार, अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक ही फॉर्मूले पर चल रही हैं, लेकिन यह हमेशा सफल नहीं होता।

उदाहरण के तौर पर, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस और राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें भारी-भरकम नकद योजनाओं के बावजूद सत्ता बचाने में विफल रहीं। इसके उलट, मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना और कर्नाटक में गृह लक्ष्मी जैसी योजनाओं को गेमचेंजर माना गया। वर्तमान में चुनावी राज्यों में मुफ्त राशन, मुफ्त गैस सिलेंडर और बेरोजगारी भत्ते जैसे वादों की झड़ी लगी हुई है, जिसने मतदाताओं को लुभाने की जंग को और तेज कर दिया है।

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

ललित गर्ग

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है।

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है।

लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय-समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। निश्चित तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता-ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

चिकित्सा और बीमा-दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जो मूलतः मानव जीवन की सुरक्षा, राहत और सेवा से जुड़े हुए माने जाते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज ये दोनों क्षेत्र आमजन के लिए सबसे अधिक जटिल, महंगे और अविश्वसनीय होते जा रहे हैं। एक ओर रियायती जमीन पर बने निजी अस्पताल गरीबों को मुफ्त इलाज देने के अपने दायित्व से बचते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा के नाम पर बीमा कंपनियां ऐसी शर्तें और प्रक्रियाएं थोप देती हैं कि जरूरत के समय मरीज को बीमा का लाभ मिलना कठिन हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन व्यवस्था का प्रतीक बनती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली के रियायती जमीन पर बने अस्पतालों को नोटिस जारी करना केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने जैसा है। जब अस्पताल रियायती जमीन लेते समय गरीबों के इलाज का वायदा करते हैं, तो वह केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि लाभ तो निजी अस्पताल उठा रहे हैं और दायित्व निभाने से बच रहे हैं। यही स्थिति बीमा क्षेत्र में भी दिखाई देती है, जहां पॉलिसी बेचते समय बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं, लेकिन क्लेम के समय छोटी-छोटी तकनीकी वजहों से दावे खारिज कर दिए जाते हैं।

आम आदमी सालों तक प्रीमियम भरता रहता है, लेकिन जरूरत के समय उसे राहत नहीं मिलती। इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता एक सकारात्मक संकेत है। जिस प्रकार अदालत ने अस्पतालों से जवाब मांगा है, उसी प्रकार बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली पर भी सख्त निगरानी और स्पष्ट नियम बनने चाहिए, ताकि बीमा वास्तव में सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल। सरकारों की जिम्मेदारी केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके क्रियान्वयन की सख्त निगरानी भी होनी चाहिए। यदि रियायती जमीन लेने वाले अस्पताल गरीबों का मुफ्त इलाज नहीं करते तो उनसे जमीन का बाजार मूल्य वसूला जाना चाहिए या उनकी मान्यता पर पुनर्विचार होना चाहिए। इसी तरह बीमा कंपनियों को भी क्लेम प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनानी चाहिए। स्वास्थ्य और बीमा दोनों ही आम आदमी की जीवन सुरक्षा से जुड़े विषय हैं, इसलिए इनमें मुनाफाखोरी की मानसिकता पर नियंत्रण आवश्यक है। यदि सरकार, न्यायपालिका और नियामक संस्थाएं मिलकर सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित करें, तो चिकित्सा और बीमा दोनों क्षेत्रों में आमजन का विश्वास फिर से स्थापित हो सकता है। अन्यथा सेवा के ये क्षेत्र केवल व्यवसाय बनकर रह जाएंगे और गरीब आदमी इलाज और बीमा दोनों के बीच पिसता रहेगा।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

अराजकता पर प्रहार

राजधानी में छात्रों एवं रात के समय आवारा घूमने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस ने अभियान शुरू किया है जिसके अपेक्षित परिणाम मिलने लगे हैं। अंधेरा होने के साथ ही भारी संख्या में पुलिस बल का सड़कों पर उतरना सम्राट लोगों को रास आ रहा है लेकिन इस प्रकार की कार्रवाई समय सीमित व्यवस्था के तहत नहीं बल्कि नियमित तौर पर होनी चाहिए ताकि सड़कों पर होने वाली ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। देहरादून के प्रेम नगर क्षेत्र में अभी कुछ दिन पहले ही छात्रों के दो गुटों में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर हिंसा हुई थी जिसमें एक छात्र की मौत हो गई थी जबकि दो घायल थे। प्रकरण में दो गिरफ्तारियां हो चुकी है जबकि पांच अन्य छात्रों के खिलाफ जो कि फरार हैं 25–25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। इस घटना ने राजधानी की सड़कों पर उन हदों को पार कर दिया था जिसमें पुलिस अब तक नरम रवैया अपना आई आ रही थी सिर्फ यह सोचकर कि छात्रों की भविष्य के साथ खिलवाड़ ना किया जाए लेकिन पुलिस की यह नरम दिल्ली शहर की आवो हवा पर भारी पड़ने लगी थी। एक छात्र की मौत ने पूरी राजधानी को हिला कर रख दिया और पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े होने लगे साथ ही शैक्षिक संस्थानों की भूमिका पर भी। अक्सर देहरादून में खुले तमाम शैक्षिक संस्थान अपने छात्रों के हुड़दंग को लेकर आँखें बंद कर लेते हैं क्योंकि इन्हें सिर्फ छात्रों से मिलने वाली फीस से अधिक कुछ लेना–देना नहीं है। यहां पुलिस ने इन शैक्षिक संस्थानों की भूमिका भी तय कर दी है और अब आने वाले समय में ऐसे संस्थाओं के खिलाफ भी कार्रवाई का मोर्चा खोल दिया गया है। देहरादून में राज्य बनने के बाद नेताओं से लेकर बाहर के पूंजीपतियों ने बड़ी संख्या में संस्थान खोले हैं जिनमें देहरादून से बाहर के छात्रों की बहुतआयत है। इन छात्रों की उद्दंडता समाज के साथ वातावरण पर गलत प्रभाव डालने लगी थी। सड़कों पर हुड़दंग मारपीट और अश्लीलता इन छात्रों का नियमित कार्य बन गया था। इससे पहले भी कई बार छात्र गुटों में संघर्ष हुए तो कभी रेस्टोरेंट और बार में एक दूसरे पर डंडों और शराब की बोतलों से हमले किए गए। अब अब इन छात्रों की हरकतें सब्र से बाहर हो चुकी थी लिहाजा पुलिस से अपना पूरा फोकस ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने पर केंद्रित कर लिया है। यह जरूरी है कि पुलिस संस्थाओं के साथ–साथ उनके अभिभावकों को भी तालाब करें जिन्हें अपने बच्चों के बारे में कोई जानकारी ही नहीं है कि वह घर से बाहर जाकर किस प्रकार की गतिविधियों में लिप्त हैं? छात्रों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उनकी यह गलती उनके सुनहरे भविष्य के लिए एक ग्रहण की तरह है जो एक बार लग गया तो फिर इससे उबर पाना बहुत मुश्किल है। उक्त प्रकरण में दो छात्र जेल भेजे जा चुके हैं और उन छात्रों का भविष्य भी अब अंधकार में है जो पुलिस से बचने के लिए इधर–उधर भाग रहे हैं जबकि एक दिन यह निश्चित है कि वह पुलिस के जाल में फंसने ही वाले हैं। जो कार्य पुलिस को कई वर्ष पहले करना चाहिए था वह अब शुरू किया गया है लेकिन सुकून यह है कि देर आए दुरुस्त आए। पुलिस के कड़े तेवरों से जहां एक और शहर का माहौल शांतिमय बनेगा तो वहीं छात्रों में भी पुलिस का भय रहेगा और वह हुड़दंग में शामिल होने के बजाय अपने भविष्य पर ध्यान देंगे।

आसमान से गिरे, खजूर में अटके ट्रंप

सनत जैन

बड़बोले ट्रम्प को ईरान ने दिखाया आईनाह्न राजनीति में ताकत का प्रदर्शन ही सबसे बड़ी रणनीति माना जाता है। इतिहास गवाह है, अति-आत्मविश्वास कई बार सबसे बड़ी कमजोरी और नुकसान का करण बन जाता है। वर्तमान में कुछ ऐसी ही स्थिति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संदर्भ में देखने को मिल रही है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से उन्होंने दुनिया के देशों को टैरिफ युद्ध के माध्यम से हड़काकर स्वयंभू शांतिदूत के रूप में सारी दुनिया में स्थापित होना चाह रहे थे। 1 साल में ही वह ह्नआसमान से गिरे, खजूर में अटकेह्न वाली कहावत को चरितार्थ करते नजर आ रहे है। ट्रंप ने अपने कार्यकाल में खुद को एक आक्रामक और निर्णायक नेता के रूप में सारे विश्व के देशों पर अपना वर्चस्व बनाने की कोशिश कर रहे थे। वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। मध्य-पूर्व देशों की जटिल राजनीति में उनका यह रवैया पिछले 1 वर्ष में चचाओं में बना रहा। इजराइल और फिलिस्तीन की लड़ाई में वह इजरायल के पक्ष में खड़े थे। गाजा में हजारों मासूम बच्चों और महिलाओं की हत्या हुई। रूस और यूक्रेन के युद्ध में वह नाटो देश और अमेरिका के मित्र देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे थे, इसका असर सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला। इसराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव और इजराइल के साथ उनकी नजदीकी ने हालात को पेचीदा बना दिया है। इजराइल और ईरान के युद्ध मे अमेरिका को झोंक देने के कारण समय-समय पर तरह-तरह की बयानबाजी करने से आज ट्रंप सारी दुनिया में अलग-थलग पढ़ते चले जा रहे हैं।

कहा जाता है, ह्नऊंट जब पहाड़ के नीचे आता है तब उसे अपनी असलियत समझ आती है। ट्रंप के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिख रहा है। जो नेता खुद को विश्व राजनीति का निर्णायक मानकर अहंकार दिखा रहा था, अपने आपको दुनिया का सर्वशक्तिमान मानकर चल रहा था, आज वही ट्रम्प ऐसी स्थिति में फंस गये हैं, जहां से वह आगे भी नहीं बढ़ पा रहे हैं और नाही पीछे हट पा रहे हैं। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह स्थिति ह्नधोबी का कुत्ता, न घर का न घाट काह्न जैसी होती हुई दिख रही है।

मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष ने सवाल खड़ा कर दिया है। क्या अमेरिका अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए अपनी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहा है, या वह इजरायल के हितों के कारण स्वयं और अमेरिका को उलझाता जा रहा है। ईरान की ओर से हाल ही में मुस्लिम देशों को दिया गया संदेश इस पूरे परिदृश्य मे अमेरिका की स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। अरब देशों के साथ अमेरिका का कई दशकों से सुरक्षा संबंधी समझौता था। खाड़ी के अधिकांश देशों में अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बनाए हुए थे। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का पूरा कारोबार डॉलर मुद्रा में होता था, जिसके कारण अमेरिका का एकाधिकार था। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को तबाह किया है, उसने असलियत सामने ला दी है। खाड़ी देशों को ईरान ने चेतावनी दी है वे अमेरिका की मदद नहीं करें। ईरान ने इस्लामी ब्रदरहुड की भावना को जागृत करते हुए कहा है जो देश अपनी जमीन को ईरान के ऊपर हमला करने के लिए उपलब्ध नहीं कराएंगे उनसे ईरान की कोई दुश्मनी नहीं है। हम सब मिलकर काम करेंगे। अमेरिका की दादागिरी नहीं सहेंगें। अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं या आक्रामक बयानों से नहीं चलती है। इसमें संतुलन, कूटनीति और दीर्घकालिक सोच और लाभ-हानि की आवश्यकता से जुड़ी होती है। ट्रंप की नीतियाँ, उनके तरह-तरह के बयान, धमकी तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए जो दादागिरी और अहंकार कर रहे थे, ईरान ने अब उस पर तगड़ा वार किया है। अमेरिका ने जिन देशों को सुरक्षा देने का वचन दिया था वह सुरक्षा तो अमेरिका कर नहीं पाया। इस स्थिति में उठ रहे सवाल इसी बात की ओर इशारा करते हैं। केवल शक्ति प्रदर्शन से ना तो किसी देश पर कब्जा किया जा सकता है, नाही किसी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है।

अमेरिका और इजरायल ने क्या सोचकर ईरान के ऊपर हमला किया था यह तो अमेरिका और इजराइल ही जानते हैं लेकिन अब जिस तरीके की स्थिति बन गई है, उसमें ट्रंप ना तो वहां से निकल पा रहे हैं और आगे बढ़ने के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। वर्तमान स्थिति का घटनाक्रम अहंकारी राजनेताओं को महत्वपूर्ण सीख देता है। राजनीति और सत्ता के वैश्विक मंच पर हर कदम को सोच-समझकर उठाना जरूरी होता है। बड़बोलेपन और अहंकार की राजनीति लंबे समय तक टिक नहीं पाती है। जब हकीकत सामने आती है, तो सबसे ताकतवर अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भी असहज स्थिति में फंसते हैं। इस युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है, अमेरिका में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। अमेरिका का आर्थिक संकट बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में अब उन्हें अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। उनके लिए अब राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। युद्ध के लिए अर्थतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रयास करना पड़ रहा है। ईरान जैसे छोटे से देश से उन्हें इस तरह की चुनौती मिलेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो यह दोनों कहावतें सत्य होती प्रतीत हो रही हैं।

भगवान महावीर का जिओ और जीने दो का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

विजय कुमार जैन

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2625 वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 30 मार्च दिन सोमवार को मना रहे हैं। भगवान महावीर का 2552 वाँ निवाणोत्सव हमने कार्तिक कृष्णा अमावस्या 21अक्टूबर 25 मंगलवार को मनाया है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो विगत वर्षों सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज थी, हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है।

विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कव्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया।

भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है।

विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए।

युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2625 वे जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,मध्य पूर्व में चल? रहे भयाभय युद्ध,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति, अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प की एकाधिकार नीति से पूरी दुनिया पर निरंकुश भावना पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निवाणोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की।

भगवान महावीर के उपदेश को जैन धर्म की मेरी भावना नामक सुप्रसिद्ध विनती की निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं:-

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,
दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

(लेखक स्थायी अधिमान्य स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक है)

संक्षिप्त समाचार

19 को निकलेगी गोल्ज्यू संदेश यात्रा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः अपनी धरोहर न्यास की ओर से आयोजित होने वाली गोल्ज्यू संदेश यात्रा का आयोजन 19 अप्रैल से नौ मई तक किया जाएगा। यह यात्रा 25 अप्रैल को देवप्रयाग स्थित रघुनाथ मंदिर से होते हुए जनपद में प्रवेश करेगी। यात्रा की तैयारियों के चलते न्यास की जिला इकाई की बैठक में विस्तृत चर्चा की गई। रविवार को नगरपालिका सभागार में आयोजित बैठक में यात्रा की रूपरेखा और व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। न्यास के केंद्रीय अध्यक्ष विजय भट्ट ने बताया कि यात्रा का आयोजन हर तीसरे वर्ष किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस बार यात्रा की शुरुआत गोल्ज्यू देवता की जन्मस्थली चंपावत से होगी और यह करीब 3500 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचएगी। इस दौरान यात्रा के पोस्टर का भी विधिवत विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश सचिव कमल किशोर डिमरी, प्रदेश मंत्री सुरेंद्र सिंह, प्रमोद उनियाल, प्रदेश संयोजक नीलम जुयाल, अनुसूया प्रसाद सुंदरियाल, नृपेश तिवारी, रमेश गौड़, संजय बलूनी, नरेंद्र टम्टा, कांता प्रसाद, विकास चौहान, संगीता डोभाल, सुषमा भंडारी, लीला ढौंडियाल आदि मौजूद रहे।

खेमड़ा गांव की पंचायत ने भी शराब पर लगाया प्रतिबंध

नई टिहरी। चंबा ब्लॉक का खेमड़ा गांव भी नशा मुक्त अभियान में शामिल हो गया है। ग्राम पंचायत की बैठक में निर्णय लिया गया है कि अब गांव में होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों में पीने–पिलाने का सिस्टम नहीं चलेगा। पंचायत के फैसले का उल्लंघन करने वाले पर 51 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। पंचायत का फैसला एक मई 2026 से लागू होगा। शराब नहीं संस्कार मुहिम के प्रणेता सुशील बहुगुणा ने बताया कि खेमड़ा में प्रधान रजनी गुसाईं की अध्यक्षता में हुई बैठक में ग्राम सुधार पर चर्चा की गई। महिलाओं और गांव के वरिष्ठ नागरिकों ने किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में खुलेआम शराब पीने–पिलाने की परंपरा बढ़ने पर चिंता जताई। बैठक में निर्णय लिया गया कि अब एक मई 2026 के बाद गांव में होने वाली शादी समारोह, जन्मदिन पार्टी और अन्य किसी भी धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों में शराब नहीं चलेगी। चुनाव के दौरान भी गांव में शराब प्रतिबंधित रहेगी। बैठक में समाज सुधार समिति का भी गठन किया गया है। जिसमें नारायण सिंह चंदेल अध्यक्ष, देवकी पंवार उपाध्यक्ष, जयपाल सिंह नेगी सचिव और ममता देवी सह सचिव बनाया गया है। रजनी देवी, कोषाध्यक्ष, पूजा देवी, संपत्ति देवी, लक्ष्मी देवी, उर्मिला देवी, दिलवर नेगी, बीना देवी, रीना को सदस्य नामित किया गया है। इस मौके पर कुंभीबाला भट्ट और लक्ष्मी मौजूद थी।

बदरीनाथ में प्रभावित व्यापारियों के लिए 16 दुकानों का निर्माण शुरू

चमोली। बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत साकेत चौराह से बदरीनाथ पुल तक 16 दुकानों को हटाया जा रहा है। इन प्रभावित व्यापारियों के लिए प्रशासन ने नई दुकान बनाने का काम रविवार से शुरू कर दिया है। प्रशासन यात्रा शुरू होने से पूर्व दुकानें तैयार कर आवंटित करने का दावा कर रहा है। बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के कार्यों ने अब रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। इसके तहत पिछले साल ही 16 दुकानों को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। इससे प्रभावित व्यापारियों के व्यवसाय को सुचारू संचालित कराने के लिए प्रशासन ने नगर पंचायत और लोनिनि कार्यालय के पास नई आधुनिक दुकानों के निर्माण का कार्य आरंभ कर दिया है। एसडीएम ज्योतिर्मठ चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि मास्टर प्लान के कार्यों के तहत प्रभावित 16 दुकानदारों के लिए दुकानें तैयार की जा रही हैं। कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है।

आपदा प्रभावित धुर्मा और सेरा गांव में नहीं हुए सुरक्षात्मक कार्य

चमोली। आपदा प्रभावित धुर्मा और सेरा गांव में अभी तक सुरक्षात्मक कार्य आरंभ नहीं हो पाए हैं। घरों के सामने आज भी मलबे के ढेर लगे हुए हैं। ऐसे में आपदा प्रभावित फिर से भय के साए में हैं। पिछले साल 17 सितंबर की रात को बादल फटने से मोक्ष नदी और शांरा पाखा नदी उफान पर आ गई थी। इसने धुर्मा व सेरा गांव के करीब 60 परिवार प्रभावित हुए थे। आपदा प्रभावितों का कहना है कि अभी तक नदी किनारे सुरक्षा दीवार के कार्य आरंभ नहीं हुए हैं। आवाजाही के लिए सुरक्षित पुल भी नहीं हैं। बादल फटने से आए मलबे ने नदी का स्तर काफी ऊंचा हो रखा है। घरों के सामने नदी के कटाव से स्थिति काफी खराब हो रखी है।

हवा हो गए दावे, बेस अस्पताल में नहीं शुरु हुई टेली मेडिसन सेवा

आज भी उपचार के लिए दिल्ली, देहरादून सहित अन्य महानगरों की दौड़ लगा रहे लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लाख दावों के बाद भी राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में मरीजों के लिए टेली मेडिसन सेवा शुरु नहीं हो पाई है। नतीजा, आज भी लोगों को बेहतर उपचार के लिए दिल्ली, देहरादून सहित अन्य महानगरों की दौड़ लगानी पड़ रही है। जबकि, व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए स्थानीय जनता कई बार जनप्रतिनिधि व अधिकारियों से गुहार लगा चुकी है। ऐसे में कैसे व्यवस्थाएं बेहतर होंगी यह बड़ा सवाल है। राजकीय बेस अस्पताल में पहाड़ व मैदान के सैकड़ों लोग उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में कुछ वर्ष पूर्व अस्पताल में टेली मेडिसन सुविधा शुरु करने की बात कही गई। लेकिन, आज तक इस दिशा में कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं हो पाई है।

पांच मार्च 2023 को जब दिल्ली एम्स के विशेषज्ञों की टीम ने चिकित्सालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तो क्षेत्रीय जन को उम्मीद थी कि जल्द टेली मेडिसन सुविधा शुरू हो जाएगी। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। उस वक्त स्वयं विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने भी कहा था कि एम्स के चिकित्सक टेली मेडिशन सुविधा में चिकित्सालय का सहयोग करेंगे। चिकित्सालय के तत्कालीन प्रमुख अधीक्षक डा.विजयेश भारद्वाज ने टीम को चिकित्सालय में मौजूद तमाम व्यवस्थाओं की जानकारी दी। साथ ही टीम ने भी मौजूद व्यवस्थाओं का बारिकी से आंकलन कर मौजूदा व्यवस्थाओं को किस तरह और बेहतर तरीके से उपयोग में लाया जा सके, इस संबंध में भी सुझाव भी दिए। एम्स दिल्ली की टीम द्वारा किए गए निरीक्षण कार्य को दो वर्ष हो चुके हैं। लेकिन, अभी तक टेली मेडिसन सुविधा को लेकर कोई सुगबुगाहट नहीं है। चिकित्सालय के प्रभारी प्रमुख अधीक्षक डा.डीके सिंह ने बताया कि चिकित्सालय में टेली मेडिसन सुविधा नहीं है। बताया कि एम्स की टेली मेडिसन सुविधा शुरू किए जाने संबंधी कोई पत्र भी अभी तक नहीं मिला है।

क्या होती है टेली मेडिसन सुविधा

टेली मेडिसन सुविधा में दूर बैठे चिकित्सक से इंटरनेट के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी सलाह ली जा सकती है। यह मरीज की यात्रा की आवश्यकता को कम करता है, जिससे समय की बचत होती है। साथ ही मरीजों को समय से बेहतर उपचार मिलने के कारण उनके स्वास्थ्य में तेजी से सुधार भी होता है। कोटद्वार के राजकीय बेस चिकित्सालय में कई विभागों में विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं हैं। ऐसे में यदि मरीज को टेली मेडिसन सुविधा के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सक के जरिए उपचार मिल जाए तो मरीज को दिल्ली व देहरादून की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

मन की बातों को जीवन में अपनाना जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः रविवार को पदमपुर स्थित एक बारात घर में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें विधानसभा अध्यक्ष ने लोगों को मन की बातों को जीवन में भी अपनाने की अपील की। कहा कि प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से समाज को बेहतर राह देने का कार्य करते हैं।खासकर युवाओं को इस कार्यक्रम को अवश्य सुनना चाहिए। प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम संपन्न होने के बाद विस अध्यक्ष ने लोगों से यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के विकास के साथ ही समाज को बेहतर राह पर ले जाने के लिए भी कार्य कर रहे हैं। उनके मन बात युवाओं के जीवन को बेहतर राह दे रही है। इससे प्रेरित होकर कई युवा स्वरोजगार से जुड़े और आज देश को आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने लोगों से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण व वोकल फार लोकल पर भी ध्यान देने की अपील की। कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समाज हित में कार्य करना चाहिए। जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी भी बेहतर शिक्षा ले सकें।

पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़े विद्यार्थी

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता

जयन्त प्रतिनिधि ।

लैंसडौनः गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के अजय ग्राउंड में 18 मार्च से आयोजित 12 दिवसीय खेल प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन हो गया। इस दौरान विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विद्यालय के चेयरमैन, ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने किया। इस शिविर में लैंसडाउन क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 160 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। 12 दिनों तक चले इस प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों ने क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल एवं फुटबॉल जैसे खेल आयोजित किए गए। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया। बास्केटबॉल में आर्मी पब्लिक स्कूल के ऋतिक मौर्य एवं दिव्या गौरी नेगी, वॉलीबॉल में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के सागर, आर्मी पब्लिक स्कूल की अशिता राणा, क्रिकेट में आर्मी पब्लिक स्कूल के वीर, केंद्रीय विद्यालय की अनुकृति बिष्ट,फुटबॉल में आर्मी पब्लिक स्कूल के आदर्श बिष्ट एवं अंशु नेगी तथा बैडमिंटन में अर्नव रावत एवं वैष्णवी ने अव्वल स्थान प्राप्त किया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे शिविर युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास करते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र सुंदरियाल ने चेयरमैन का धन्यवाद किया। इस मौके पर सूबेदार मेजर नंदकिशोर, सूबेदार धर्मपाल आदि मौजूद रहे।

मार्ग निर्माण की अनदेखी पर रोष, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण नहीं होने से आक्रोशित लोगों ने रविवार को धिक्कार दिवस मनाया। लोगों ने सरकार से मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग की। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि जल्द मार्ग निर्माण पर ध्यान नहीं दिया गया तो जनता आंदोलन को तेज करेगी। जनता केवल एलिवेटेड मार्ग ही चाहती है।

हल्दूखाता तिराहे में जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों ने मार्ग निर्माण नहीं होने पर रोष व्यक्त किया। कहा 12 फरवरी को न्यायालय ने मार्ग निर्माण को हरी झंडी दिखाई। लेकिन, अब तक धरातल पर कोई कार्य नहीं किया गया। नतीजा, आज भी क्षेत्र की जनता मार्ग निर्माण के लिए आंदोलन पर डटी हुई है। अनदेखी से आक्रोशित लोगों को धिक्कार दिवस मनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए मार्ग का एलिवेटेड बनना अति आवश्यक है। वक्ताओं ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में मार्ग निर्माण को लेकर गलत तथ्य प्रस्तुत किए गए। जिससे मार्ग निर्माण की स्थिति साफ नहीं हो पाई। यही कारण था कि कुछ दिन पूर्व वन विभाग ने मार्ग पर व्यवसायिक वाहनों के आवागमन को भी रोक दिया था। कहा कि विधायक, सांसद व भाजपा नेताओं ने मार्ग निर्माण के नाम पर केवल जनता को गुमराह करने का कार्य किया। क्षेत्र के विकास कार्यों को गति मिलें इसके लिए लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग का एलिवेटेड बनना आवश्यक है। इसके लिए सरकार को गंभीरता से कार्य करना होगा। वक्ताओं ने कहा कि सरकार न्यायालय में किसी तरह अपनी बात रख रही है यह स्थानीय जनता के बीच भी सार्वजनिक होना चाहिए। इस मौके पर पूर्व काबीना मंत्री सरेंद्र सिंह नेगी, रविंद्र सौंद, मदन नेगी, जगदीश मेहरा, राजाराम अण्थ्वाल, संजय रावत, राम कंडवाल, प्रवीण थापा, देवेंद्र रावत, नरेश धस्माना, प्रकाश रावत, उम्मेद भंडारी, नरेंद्र सिंह, कृपाल सिंह, महेंद्र पाल सिंह, गीता नेगी, शक्ति शैल कपरवाण आदि मौजूद रहे।

मार्ग निर्माण को लकर धरना देते लोग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में गोष्ठी का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह श्रीमान दिनेश सेमवाल ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर देश भर में हुए कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी ,जिसमें अवगत कराया गया । शताब्दी वर्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विजयदशमी के अवसर पर मंडल स्तर पर व बस्ती स्तर पर अधिकतम स्वम सेवकों की गणवेश में एकत्रीकरण व संचलन के कार्यक्रम आयोजित किये इसके उपरांत व्यापक गृह संपर्क अभियान चलाया गया वह इसके उपरांत विराट हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया गया। तत्पश्चात प्रमुख जंग गोष्ठियों का

आयोजन किया जा रहा है। इसी परिपेक्ष में महानगर में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि संघ ने 100 वर्ष में अनेक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद समाज में अपनी उपस्थिति लगातार बनाई रखी है वह समाज को जागृत करने का काम लगातार किया जा रहा है । समाज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है इसी परिपेक्ष में देश को परम वैभव तक पहुंचाने के लिए समाज को और अधिक जागरूक और परिपक्व करना है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज के साथ मिलकर पंच परिवर्तन के अपने लक्ष्य पर स्थिर है और पंच परिवर्तन से ही समाज और देश में परिवर्तन आएगा पंच परिवर्तन के विषय में बताते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण जागरण कुटुंब प्रबोधन सामाजिक समरसता का जागरण और नागरिक कर्तव्य का अगर प्रत्येक नागरिक पूरे मनोयोग से पालन करें तो समाज की दशा और दिशा परिवर्तित होनी निश्चित है। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता संग्राम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूर्ण भागीदारी की तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार ने स्वयं राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन में भाग लिया और कई बार जेल जाकर इस बात को साबित भी किया है । उन्होंने कहा कि गोवा मुक्ति आंदोलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बढ़ चढ़कर भागीदारी की थी वर्तमान में संघ के बिभिन्न प्रकल्प समाज में चल रहे हैं । कार्यक्रम के दूसरे सत्र में प्रमुख जनों द्वारा संघ के विषय में कुछ प्रश्न प्रस्तुत किए गए जिनका उत्तर प्रांत करवा दिनेश सेमवाल जी द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख जनों के द्वारा अपनी जिज्ञासा व सुझाव भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में जिला संघ चालक विष्णु अग्रवाल, जिला प्रचारक कमल , जिला सह संघ चालक लोकपाल , जिला कार्यवाह संदीप ,जिला कार्यवाह अरुण, विभाग सह कार्यवाह चंदन नकोटी विभाग प्रचार प्रमुख जितेंद्र रावत, जिला प्रचार प्रमुख अरविन्द दुदपुड़ी, जिला सोशियल मीडिया प्रभारी विपिन बेदवाल, नगर सह कार्यवाह राजेश , सचिन नगर संघ चालक डॉक्टर वीरेंद्र रावत , जिला पंचायत सदस्य सीमा भंडारी, प्रशांत बड़ोनी, प्रकाश डबराल, प्रोफेसर विजय कुमार, गोवर्धन चतुर्वेदी ,सत्य प्रकाश थपलियाल, अध्यक्ष बार एसोसिएशन कोटद्वार नागेंद्र जोशी, एडवोकेट रतन नेगी,जितेंद्र रावत, रमेश कुमार वर्मा ,सुनील डोबरियाल, अमृतांशु बर्थवाल, पंडित बृजेश चतुर्वेदी, प्रदीप गुसाईं मणीराम, महानन्द ध्यानी ,अनिल नवानी श्रीकांत नेगी, चंद्र प्रकाश नैथानी आदि समाज के प्रमुख जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला संपर्क प्रमुख बृजमोहन सिंह चौहान ने किया।

देशसेवा पहल की शुरुआत, एसडीएम ने खुद पढ़ाया इतिहास

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः उपजिलाधिकारी कृष्णा त्रिपाठी की ओर से क्षेत्र के छात्र–छात्राओं के लिए थलीसैंण से देशसेवा नामक एक प्रेरणादायक पहल की शुरुआत की गई। रविवार को उन्होंने स्वयं तीन घंटे की इतिहास विषय की क्रैश कोर्स कक्षा संचालित की जिसमें 18 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

उपजिलाधिकारी ने बताया कि इस पहल के तहत प्रत्येक रविवार को क्रैश कोर्स एवं मैराथन कक्षाओं का आयोजन किया जाएगा जिससे अभ्यर्थियों के ज्ञान और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का निरंतर विकास सुनिश्चित किया जा सके।उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल बनाना है ताकि उन्हें बेहतर तैयारी के लिए देहरादून व अन्य शहरों की ओर पलायन न करना पड़े।

इस पहल के लिए ग्राम प्रधानों और अभिभावकों ने उपजिलाधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।कार्यक्रम में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के उप प्राचार्य दुदुन मेहता, अधिशासी अधिकारी दीपक प्रताप और बाल विकास परियोजना अधिकारी पूजा रावत का विशेष सहयोग रहा।

साइबर व नशे से निपटना सबसे बड़ी चुनौती

चमोली। जीआईसी माणा घिंघराण में चल रहे पीजी कॉलेज गोपेश्वर के एनएसएस शिविर में पहुंचे एसपी सुरजीत सिंह पंवार ने स्वंयसेवियों से कहा कि वर्तमान में साइबर अपराध और नशे से निपटना सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि जागरुकता ही इससे बचने का सबसे बेहतर उपाय है। सात दिवसीय विशेष शिविर में एसपी ने कहा कि साइबर ठीगों का नेटवर्क काफी फैलता जा रहा है। एक छोटी से सावधानी उन्हें ऑनलाइन ठगी से बचा सकती है। साइबर ठगी किस तरह से हो रही है, क्या–क्या हथकंडे अपनाए जा रहे हैं इसके बारे में बताते हुए जरूरी सावधानी बरतने की जानकारी दी। कहा कि आज नशा समाज का सबसे बड़ा दुश्मन बन चुका है।

बेहतर व्यवस्था के लिए भोजन माताओं को दिया प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः विद्यालयों में भोजन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भोजन माताओं को प्रशिक्षण दिया गया। भोजन माताओं को खाद्य पदार्थों की जांच व उसके रखरखाव के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

विकास खंड दुगड्डा के प्रशिक्षण शिविर में पचास से अधिक भोजन माताओं ने भाग लिया। उप शिक्षा अधिकारी उमा कांत कुकरेती, प्रशासनिक अधिकारी सूरज मोहन रावत ने कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया। साथ ही राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालपुर की एमडीएम प्रभारी पुष्पा वर्मा, राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय मवाकोट से सुधीर अग्रवाल ने प्रशिक्षण दिया। पहले दिन भोजन माताओं को खाद्यान्न के मानकों के बारे में बताया गया। कहा कि हमें विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर ही खाद्य पदार्थ बनाने चाहिए। साथ ही भंडार में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। चीजों को व्यवस्थित तरीके से रखें। दूसरे सत्र में लोह तत्व, आयोडीन, विटमिन, मिनरल्स व खनिज लवणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। तृतीय सत्र में बर्तन में अन्य सामान को व्यवस्थित तरीके से रखने की जानकारी दी गई। कहा कि हमें बच्चों को भी स्वच्छता व अन्य बेहतर जानकारी देनी चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान भोजन माताओं को खाने की वस्तुओं को साफ रखने व मिलावटी मसालों को पहचानने की जानकारी दी गई। इस मौके पर उमा बुड़ाकोटी, सुधीर अग्रवाल, आशीष, विकास, जाहिद आदि मौजूद रहे।

आयोजित कार्यशाला में भाग लेती भोज माताएं व अन्य

धामी सरकार की पहल, प्रदेश भर में सरकारी आवासों के पुनर्निर्माण और नए निर्माण की योजना तेज

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व मुख्यसचिव आनंद बर्धन के दिशा–निर्देश पर सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में उत्तराखंड सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार प्रदेश भर में सरकारी कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक आवास उपलब्ध कराने की व्यापक योजना पर काम कर रही है। इस पहल का उद्देश्य न केवल कर्मचारियों को बेहतर आवास उपलब्ध कराना है, बल्कि सरकारी आवासीय परिसंपत्तियों का व्यवस्थित रखरखाव और विस्तार सुनिश्चित करना भी है। राज्य संपत्ति विभाग के अनुसार लंबे समय से कई सरकारी आवास जर्जर हो चुके हैं, जिससे कर्मचारियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। सरकार अब ऐसे आवासों की पहचान कर उन्हें मरम्मत और पुनर्निर्माण के माध्यम से बेहतर बनाने की योजना पर तेजी से काम कर रही है। जर्जर आवासों की पहचान, नए निर्माण की तैयारीः सरकार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में मौजूद जर्जर सरकारी आवासों का सर्वे शुरू करने का निर्णय लिया है। जिन भवनों की स्थिति बेहद खराब है, उन्हें या तो पुनर्निर्मित किया जाएगा या फिर उनकी जगह नए आधुनिक आवास बनाए जाएंगे। इसके साथ ही जहां भी विभागीय या सरकारी भूमि उपलब्ध है, वहां आवश्यकता के अनुसार नए आवासीय परिसरों के निर्माण की योजना बनाई जा रही है। इन आवासों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा ताकि कर्मचारियों को सुरक्षित, व्यवस्थित और कार्यस्थल के निकट रहने की सुविधा मिल सके। सरकार का मानना है कि बेहतर आवास मिलने से कर्मचारियों का कार्य परिवेश भी बेहतर होगा और वे अधिक दक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे।

कार्यों की निगरानी के लिए बनी उच्चस्तरीय समितिः इन योजनाओं को समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिए राज्य संपत्ति विभाग के स्तर पर एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध भूमि, जर्जर भवनों और नए निर्माण की संभावनाओं का त्वरित सर्वेक्षण किया जाए। सर्वेक्षण के आधार पर विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर शासन को भेजा जाएगा, ताकि निर्माण और मरम्मत से जुड़ी परियोजनाओं को समय पर स्वीकृति मिल सके।

हाट के जंगल में लगी आग

चमोली। लगातार हो रही बारिश के बावजूद वनाग्नि की घटनाएं सामने आ रही हैं। रविवार पीपलकोटी के पास हाट के जंगल में अचानक आग भड़क गई। देर शाम तक वन कर्मी आग बुझाने में जुटे हुए थे, लेकिन आग को पूरी तरह से काबू नहीं किया जा सका है। रविवार सुबह आट क्षेत्र में वन पंचायत के जंगल में धुआं उठने लगा। देखते ही आग ने जंगल के बड़े क्षेत्र को प्रभावित कर दिया।

जंगल में लगी आग का असर पीपलकोटी में भी देखने को मिला। पूरे नगर में दिन भर धुआं फैला रहा। वन विभाग के कर्मचारी मौके पर आग बुझाने के लिए गए, लेकिन चीड़ का जंगल होने के चलते आग तेजी से फैल रही है, जिसे काबू करना मुश्किल हो रहा है।

रसोई गैस सिलिंडर नहीं मिलने से ग्रामीणों की बढ़ने लगी परेशानी

नई टिहरी। थौलधार ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई गैस सिलिंडर नहीं मिलने से लोगों की परेशानी बढ़ने लगी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगलों से सूखे पेड़ और सुखी लकड़ी निशुल्क देने की मांग की उठाई है। ग्राम प्रधान संगठन के पूर्व जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा ने कहा कि थौलधार ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों में विगत कई दिनों से रसोई गैस की सप्लाई नहीं हो पा रही है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ने लगी है। उन्होंने कहा कि नगुण पट्टी के कोटी मेहरूकी, मजखेत, थिरणी, क्यारी, चापड़ा अंधियारी, बगालचक में वन विभाग के जंगलों में काफी संख्या में चीड़ के सूखे पेड़ इधर–उधर गिरे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आगामी दिनों में शादी विवाह के साथ अन्य मांगलिक कार्यक्रम संपन्न होने है। ऐसे में रसोई गैस न मिलने से ग्रामीणों के सामने परेशानी खड़ी हो गई है। गैस एजेंसी की ओर से अगला सिलिंडर 26 दिन बाद देने का समय दिया गया है। शादी–विवाह और अन्य सामाजिक कार्य किस तरह से संपन्न कराएंगे जाएंगे। बताया पूर्व में क्षेत्र के ग्रामीणों की ओर से हक–हकूक के तहत घरों की मरम्मत के लिए वन विभाग से हक हकूक के तहत सूखे पेड़ों की मांग की गई थी लेकिन वह भी नहीं मिल पाई। वन विभाग की ओर से 15 फरवरी से फायर सीजन का हवाला देकर हक–हकूक लकड़ी (रमाना) देने के लिए माना कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर में राष्ट्र सेविका समिति का चार दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

श्रीनगर गढ़वाल। राष्ट्र सेविका समिति द्वारा रुद्रप्रयाग एवं पौड़ी जनपद के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय प्रारंभिक शिक्षा वर्ग का शुभारंभ सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में हुआ। वर्ग में 45 प्रशिक्षार्थी बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर प्रशिक्षण प्रारंभ किया। वर्ग में मुख्य शिक्षिका के रूप में आरुषि राणा वर्ग अधिकारी के रूप में कमला गोसाईं और वर्ग कार्यवाहिका के रूप में कृष्णा भट्ट हैं। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान प्रतिभागियों को योग, दण्ड प्रहार, व्यायाम, खेल, बौद्धिक सत्र और चिंतन-चर्चा जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, इस प्रकार के वर्गों का उद्देश्य सेविकाओं को शारीरिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाना है, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। वक्ताओं ने कहा कि यह प्रशिक्षण वर्ग बहनों में अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और सेवा भावना को सुदृढ़ करने का कार्य करेगा। व्यवस्था जुटाने में शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य गोविंद सिंह और विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य मुकेश चंद्र मैठानी का विशेष सहयोग रहा।

महिलाओं से अभद्रता के आरोप में तीन युवक गिरफ्तार

श्रीनगर गढ़वाल। शहर में सार्वजनिक स्थान पर शराब के नशे में हुड़दंग और महिलाओं से अभद्रता करने के आरोप में तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि जनपद पौड़ी गढ़वाल में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार के निर्देश पर सख्त अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार रात को तीन युवक शराब पीकर हंगामा कर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार कर रहे थे। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी सौरभ सिंह निकवासी नौलापुर थलीसैंण जनपद पौड़ी, रोहित सिंह निवासी मचकंडी उखीमठ, रुद्रप्रयाग और रोहित कुमार पमसोला, कल्जीखाल, पौड़ी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ कोतवाली श्रीनगर में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सिलिंडर के लिए लाइन लगने से लगा डेढ़ किमी का जाम

उत्तरकाशी। नगर पंचायत में चार दिन से रसोई गैस सिलिंडर का इंतजार कर रहे उपभोक्ताओं को रविवार को सिलिंडर का वाहन पहुंचने की सूचना मिली। इसके बाद वहां पर लोगों की लंबी लाइन लग गई। इससे यमुनोत्री हाईवे पर डेढ़ किमी लंबा जाम लग गया जिससे खुलवाने के लिए पुलिस को एक घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। यातायात को सुचारू करने के लिए वन-वे व्यवस्था कर स्थिति का सामान्य किया गया। रसोई गैस सिलिंडर भरवाने के लिए उपभोक्ता सुबह नौ बजे लाइन पर लग गए थे जबकि सिलिंडर से भरा ट्रक सूचना के चार घंटे बाद पहुंचा। जानकारी के अनुसार सिलिंडर से भरे ट्रक को दस किमी पीछे बर्निगाड कस्बे में वहां के उपभोक्ताओं ने रोक लिया था। इससे वाहन देरी से पहुंचा। वहां से सिलिंडर से भरे ट्रक को निकालने के लिए एजेंसी संचालक को पुलिस की मदद लेनी पड़ी लेकिन इस बीच नौगांव में यमुनोत्री हाईवे पर लंबा जाम लग गया। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद वन-वे व्यवस्था लागू कर वाहनों की आवाजाही शुरू करवाई। गैस एजेंसी के प्रबंधक केएस पंवार ने बताया कि सिलिंडर से भरे ट्रक को लोगों ने दस किमी पीछे बर्निगाड में रोका था। इससे ट्रक को नौगांव पहुंचने में समय लग गया। उपभोक्ताओं के लिए अलग गाड़ी मंगाई जाएगी। साथ ही जिन्हें आज गैस नहीं मिल पाई उनके लिए भी व्यवस्था की जाएगी।

स्वयं सेवकों ने संगठित होने का दिया संदेश

उत्तरकाशी। संघ के शताब्दी वर्ष पर पुरोला और जिला मुख्यालय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से प्रमुखजन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने देश और समाज की वर्तमान स्थिति और भविष्य की दिशा पर विचार साझा किए। रविवार को पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सुनील ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित की जा रही प्रमुख जन गोष्ठी श्रृंखला का हिस्सा है। गोष्ठियों का उद्देश्य समाज के प्रबुद्ध वर्गों के साथ संवाद स्थापित करना, सामाजिक समरसता, हिंदुत्व और संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर चर्चा करना है। इस मौके पर प्रेम सिंह पंवार, गुलाब नेगी, हिमांशु, अजय, मोहन कुमाई, देवी प्रसाद, कमलेश रतूड़ी, मनोज वर्मा, अरविंद रावत आदि मौजूद रहे।

सीएम धामी ने सुना मन की बात का 132वां एपिसोड, जनप्रतिनिधियों संग साझा किए विचार

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून के इन्द्रानगर स्थित होटल रॉयल इन पैलेस में आयोजित प्रधानमंत्री जी के " मन की बात" कार्यक्रम के 132वें एपिसोड को सुना। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों के साथ कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यमन की बातह्ल कार्यक्रम आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रारंभ किया गया एक अद्वितीय जनसंवाद मंच है, जो विश्व के किसी भी राष्ट्राध्यक्ष द्वारा संचालित सबसे लंबे समय तक चलने वाले प्रेरणादायी कार्यक्रमों में से एक है। यह कार्यक्रम समाज के विभिन्न वर्गों, विशेष रूप से दूरस्थ और कठिन परिस्थितियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और सम्मान प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देश के कोने-कोने में कार्य कर रहे उन लोगों का उल्लेख किया जाता है, जो सीमित संसाधनों में भी असाधारण कार्य कर समाज के लिए प्रेरणा बनते हैं। ह्यमन की बातह्ल के माध्यम से ऐसे व्यक्तित्वों की कहानियां देशभर के नागरिकों तक पहुंचती हैं, जिससे सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का संचार होता है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री अपने लगभग प्रत्येक कार्यक्रम में उत्तराखंड का विशेष रूप से स्मरण करते हैं। ह्यमन की बातह्ल के कई एपिसोड में राज्य की शीतकालीन यात्रा, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वयं भी उत्तराखंड के विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर चुके हैं, जिनमें आदि कैलाश और उत्तरकाशी जिले का हर्षिल-मुखवा क्षेत्र प्रमुख हैं।

प्रधानमंत्री के इन दौरों और उनके द्वारा किए गए उल्लेख का सकारात्मक प्रभाव राज्य के पर्यटन पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान वर्ष में उत्तराखंड में शीतकालीन पर्यटन को अभूतपूर्व बढ़ावा मिला है। अब तक डेढ़ लाख से अधिक पर्यटक राज्य में शीतकालीन यात्रा के लिए पहुंच चुके हैं, जबकि आदि कैलाश क्षेत्र में 36,700 से अधिक श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंच चुके हैं।

रसोई गैस का पर्याप्त कोटा परेशान न हों उपभोक्ता : डीएम

– पूर्ति विभाग को वितरण व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश

नई टिहरी। रसोई गैस की पर्याप्त आपूर्ति के बाद भी लोगों की भीड़ जुटने पर डीएम नितिका खंडेलवाल ने जिला पूर्ति अधिकारी को सिलिंडरों की वितरण व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रसोई गैस की सप्लाई को लेकर शासनस और गैस एजेंसियों से संपर्क रखें।

डीएम ने स्पष्ट किया कि जिले में एलपीजी की प्राप्ति और वितरण व्यवस्था सामान्य बनी हुई है। गैस का पर्याप्त कोटा है, किसी भी उपभोक्ता को परेशान होने की जरूरत नहीं है। गैस वितरण व्यवस्था को सामान्य बनाने के निर्देश पर डीएसओ मनोज डोभाल ने कहा कि जिले में घरेलू एलपीजी गैस की प्राप्ति और वितरण की स्थिति सामान्य है। विगत दिवस गैस एजेंसियों को कुल 2497 घरेलू सिलिंडर प्राप्त हुए। एजेंसियों द्वारा 2724 घरेलू सिलिंडर का वितरण किया गया। उसके बाद एजेंसियों के पास 4023 सिलेंडर स्टॉक में है। एलपीजी आपूर्ति एवं वितरण की प्रभावी निगरानी के लिए गठित त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) द्वारा नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। अब तक गैस गोदामों, पेट्रोल पंपों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और होटलों सहित कुल 414 निरीक्षण किए जा चुके हैं जिनमें 14 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। शिकायतों के निस्तारण के लिए कंट्रोल रूम में अब तक 85 शिकायतें दर्ज की गई हैं जिन पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। डीएसओ ने कहा कि घरेलू एलपीजी की आपूर्ति और वितरण पूरी तरह सामान्य है। उपभोक्ता अपनी आवश्यकता के अनुसार ही गैस बुकिंग करें। सिलिंडर पूर्व की भांति होम डिलीवरी या डिलीवरी प्वाइंट से प्राप्त करें। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से गैस कनेक्शन की ई-केवाईसी कराने की अपील की है।

संसाधनों के अभाव में जूझ रहा है बालगंगा महाविद्यालय

नई टिहरी। बालगंगा महाविद्यालय में कक्षा-कक्षों और प्रयोगशालाओं का अभाव छात्र-छात्राओं के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। हर साल बढ़ती छात्रसंख्या के बावजूद संसाधनों का विस्तार नहीं होने से पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

वर्तमान में महाविद्यालय में करीब 700 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। कक्षा-कक्ष और प्रयोगशालाओं की संख्या 15 तक ही सीमित रह गई है। महाविद्यालय में सबसे अधिक दिक्कत विज्ञान संकाय के छात्रों को हो रही है। प्रयोगशालाओं के अभाव में छोटे-छोटे कमरों में ही प्रयोगात्मक कार्य कराए जा रहे हैं। जिससे पढ़ाई की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है। भिलंगना टिहरी जिले का सबसे बड़ा विकासखंड है जहां 180 ग्राम पंचायतें आती हैं। उच्च शिक्षा के लिए यही एकमात्र संस्थान है। वर्ष 1991 में क्षेत्रीय लोगों ने अपने संसाधनों से सेंदुल में निजी भवन पर महाविद्यालय की स्थापना की थी। बाद में छात्रसंख्या बढ़ने पर ग्रामीणों ने 50 नाली भूमि दान में दी, जिसके बाद बालगंगा शिक्षा प्रसार समिति ने वर्ष 2001 में भवन निर्माण कराया। वर्ष 2015-16 में महाविद्यालय में विज्ञान संकाय शुरू होने के बाद छात्र संख्या में तेजी से वृद्धि हुई लेकिन आधारभूत सुविधाओं का विस्तार उस अनुपात में नहीं हो सका। स्थानीय लोगों की मांग पर टीएचडीसी ने एक तीन मंजिला भवन स्वीकृत किया गया था, लेकिन दो वर्ष पूर्व पहली मंजिल का निर्माण पूरा होने के बाद शेष कार्य अधूरा पड़ा है।

ब्राह्मण संगठनों को एकजुट करने के लिए संयुक्त मंच का गठन

देहरादून। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं निरंजनी अखाड़े के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज के संरक्षण में ब्राह्मण समाज की एकजुटता और हितों की रक्षा के लिए ब्राह्मण समाज संयुक्त मंच की नींव रखी गई है। परेड ग्राउंड स्थित एक रेस्टोरेंट में आयोजित प्रथम चरण की बैठक में दून के विभिन्न ब्राह्मण संगठनों और प्रबुद्ध जनों ने शिरकत कर इस दिशा में गहन मंथन किया।महंत रविंद्र पुरी के अधिकृत प्रतिनिधि अरुण कुमार शर्मा ने बताया कि मंच का मुख्य उद्देश्य समाज के विरुद्ध हो रहे द्वेषपूर्ण कार्यों को रोकना और ब्राह्मणों का संरक्षण करना है। उन्होंने कहा कि देहरादून के बाद हरिद्वार, रुड़की, ऋषिकेश और हल्द्वानी समेत पूरे उत्तराखंड में ऐसी बैठकें आयोजित की जाएंगी।

जोशियाड़ा में तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया

नगर क्षेत्र के जोशियाड़ा क्षेत्र में तीसरे दिन भी रसोई गैस सिलिंडर का वाहन नहीं पहुंचने के कारण लोगों का गुस्सा एक बार फिर सड़कों पर फूट पड़ा। सुबह चार बजे से ही लाइन में खड़े लोगों को जब सूचना मिली कि तीसरे दिन भी वाहन नहीं आएगा तो उन्होंने खाली रसोई गैस सिलिंडर सड़क के बीच रखकर जाम लगा दिया।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया। जनपद मुख्यालय में रसोई गैस की आपूर्ति की समस्या लगातार बढ़ रही है। जोशियाड़ा व आसपास के लोग तीन दिन से सुबह अपने खाली रसोई गैस सिलिंडर लाकर लाइन लगा रहे हैं लेकिन वहां पर सिलिंडर का वाहन नहीं आने के कारण तीसरे दिन भी लोगों को सड़क पर जाम लगाना पड़ा।स्थानीय लोगों ने रसोई गैस सिलिंडर एक दूसरे से बांधकर बीच सड़क में खड़े कर दिए। साथ ही कहा कि जब तक सिलिंडर का ट्रक नहीं आता तब तक वह जाम नहीं खोलेंगे। इससे वहां से जा रहे वाहनों को अपना रास्ता बदलना पड़ा। करीब ढाई घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाया। उसके बाद लोगों ने जाम खोला।

दूसरी ओर रामलीला मैदान में सुबह तीन बजे से ही लोगों की लंबी लाइन लग गई थी। वहां पर दोपहर में वाहन पहुंचा लेकिन उससे भी सबको पूरी आपूर्ति नहीं हो पाई। ऐसे में कई लोगों को निराश लौटना पड़ा। इस पर जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश सरकार और प्रशासन के दावों पर सवाल खड़े किए हैं। कहा कि जनपद में मांग के अनुरूप रसोई गैस नहीं आ रही है। साथ ही व्यावसायिक सिलिंडर नहीं मिलने से लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

साइबर ठगों को बैंक खाते बेचने वाले गैंग का खुलासा

देहरादून। एसटीएफ और साइबर क्राइम थाना पुलिस ने साइबर ठगों को बैंक खाते बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया है। आम लोगों के नाम पर बैंक खाते खोलकर उन्हें साइबर ठगों को बेचते में तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। इन खातों के जरिए देशभर में लाखों रुपये की साइबर ठगी की रकम का लेनदेन हुआ। एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि एएसपी कुश मिश्रा के नेतृत्व में शनिवार को हरिद्वार में कार्रवाई की गई। इस दौरान रवि उम्र 31 पुत्र अशोक कुमार निवासी नवोदयनगर कालोनी रोशनाबाद मूल निवासी नवल सुरजपुर थाना किठौड, मेरठ, राजन चौधरी उम्र 35 वर्ष पुत्र ओम प्रकाश हाल निवासी प्रेमपुरी मोटामहादेव नजीबाबाद रोड थाना नजीबादबाद मूल निवासी कृपाल आश्रम शिवालिकनगर थाना सिडकुल, हरिद्वार और विनीत राणा उम्र 25 वर्ष पुत्र धीर सिंह निवासी मथाना, दाबकी कला थाना खानपुर, हरिद्वार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि ये आरोपी आम लोगों को झांसे में लेकर उनके नाम पर फर्जी कंपनी या फर्म तैयार करते। फिर उस कंपनी या फर्म के नाम पर बैंकों में कॉर्पोरेट या करंट अकाउंट खुलवाते।

सरकार झूठ बोलकर जनता को छलने का काम रही : गोदियाल

नई टिहरी। घनसाली वसंत कौथिग महोत्सव में पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि भाजपा सरकार झूठ बोलकर जनता को छलने में लगी है।

भाजपा की नीतियों से परेशान होकर उनके नेता पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। आने दिनों में यह लाइन लंबी होगी। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। जन जागृति लोक संरक्षण समिति व घनसाली शताब्दी वर्ष के पर आयोजित कौथिग महोत्सव में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष गोदियाल का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मेले और पहाड़ी संस्कृति का संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य होना चाहिए। उन्होंने लोगों से बच्चों को अपनी बोली-भाषा और संस्कृति के बारे में बताने को कहा। उन्होंने कहा कि भाजपा को हर क्षेत्र में राजनीति नजर आती है। पहाड़ों से लगातार पलायन हो रहे, पलायन रोकने में सरकार नाकाम साबित हुई है। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि मेलों के माध्यम से समाज में आपसी सौहार्द कायम होता है। थौल मेले हमारी पहचान है इन्हें मिलकर आगे बढ़ाने की जरूरत है। इस मौके पर पूर्व विधायक भीमलाल आर्य, ओम गोपाल रावत, मोहन सिंह रावत, कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल, राकेश राणा, विजय गुनसोला, धनीलाल शाह, दिनेश लाल, शंकरपाल सजवाण, जन जागृति समिति के अध्यक्ष ओम प्रकाश भुजवाण, डॉ. नरेन्द्र डंगवाल मौजूद थे।

उधर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोदियाल ने चंबा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए कहा कि ऊर्जा, समर्पण और संघर्षशीलता कार्यकर्ताओं की पहचान होती है। आगामी विधानसभा चुनाव में हर कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरकर भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने का काम करें। कहा कि कांग्रेस 2027 में प्रदेश की सत्ता में लौट रही है। इस मौके पर नरेंद्र चंद रमोला, सोबन सिंह नेगी, साहब सिंह सजवाण, सुमना रमोला, बीना नेगी, गीता डबराल, बिजेंद्र नेगी, शिब्बी भंडारी, विजय नेगी, सोबन सिंह नेगी, शक्ति जोशी आदि मौजूद थे।

बदरीनाथ हाईवे: क्षेत्रपाल में भूस्खलन से मिली मुक्ति

अलकनंदा से लेकर चट्टान तक ट्रीटमेंट संपन्न

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर इस बार तीर्थयात्रियों को भूस्खलन एरिया क्षेत्रपाल में हाईवे बाधित होने और हिचकौले खाकर यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। यहां अब भूस्खलन से मुक्ति मिल जाएगी। एनएचआईडीसीएल (राष्ट्रीय राजमार्ग एवं ढांचागत विकास) की ओर से क्षेत्रपाल में करीब 400 मीटर एरिया में सुधारीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अलकनंदा साइड मलबे का निस्तारण किया गया है, जबकि भूस्खलन वाली चट्टान को लोहे की जाली से बांध दिया गया है। अंतिम चरण में यहां डामरीकरण कार्य होगा। कार्यदायी संस्था की ओर से इसकी तैयारी भी कर ली गई है। बदरीनाथ हाईवे पर पिछले सात साल से ऑलवेदर रोड परियोजना के तहत सड़क चौड़ीकरण, सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत कई जगहों पर संकरे और अंधे मोड़ों पर चौड़ीकरण कार्य कर दिया गया है। चारधाम यात्रा के दौरान पिछले पांच साल से क्षेत्रपाल में भूस्खलन परेशानी का सबब बना हुआ था। वर्ष 2022 में यहां भूस्खलन होने से तीन दिनों तक बदरीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की तीर्थयात्रा बाधित रही थी। इसके बाद एनएचआईडीसीएल ने इस एरिया के ट्रीटमेंट का खाका तैयार किया। 2024 में इसके ट्रीटमेंट को भारत सरकार की स्वीकृति मिली। तब से यहां सुधारीकरण कार्य चल रहा था। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी का कहना है कि क्षेत्रपाल में सुधारीकरण कार्य कर लिया गया है। यहां चौड़ीकरण के साथ ही चट्टानी भाग को लोहे की जाली से सुरक्षित कर दिया गया है। ढलानों को मजबूत करने और मिट्टी के स्थिरीकरण के लिए रासायनिक तरल स्टेबलाइजर्स का छिड़काव किया गया है। अब यहां यात्रा सुगम और सुरक्षित हो जाएगी।

बिहार के फरार सात हत्यारोपियों पर 25-25 हजार का इनाम

देहरादून। प्रेमनगर क्षेत्र के केहरी गांव में बीटेक प्रथम वर्ष के छात्र दिव्यांशु जटराना की हत्या में फरार सात आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया गया है। सातों का पुलिस ने कोर्ट से गैर जमानती वारंट भी हासिल कर लिया है। यह सभी आरोपी मूलरूप से बिहार के रहने वाले हैं। हाल में देहरादून के प्रेमनगर क्षेत्र में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। बीते 23 मार्च की रात प्रेमनगर के केहरी गांव में हाईवे किनारे यूआईटी के बिहार और यूपी छात्रों के बीच चल रही वर्चस्व को लेकर खूनी संघर्ष हुआ था। इस दौरान लाठी-डंडों और फावड़े से हुए हमले में मूलरूप से जिला मुजफ्फरनगर निवासी दिव्यांशु की हत्या हो गई। मामले में हत्या की धाराओं की केस दर्ज किया गया है। पुलिस अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज पाई है। जबकि, मुकदमे 15 नामजद और अन्य अज्ञात शामिल हैं। इनमें सात आरोपियों की अहम भूमिका मानते हुए पुलिस ने इनका कोर्ट से गैर जमानती वारंट हासिल किया। इसके बाद एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने 25-25 हजार रुपये हा इनाम घोषित किया है।अन्य नामजद और अज्ञात की भूमिका रडार परइस वारदात में कुल 15 आरोपियों को नामजद किया गया था। कुछ अन्य अज्ञात लोग भी शामिल थे। पुलिस एफआईआर में नामजद चार अन्य आरोपियों जेल भेजा गया है।

मसूरी में मौसम ने बदली करवट बारिश के साथ चली सर्द हवाएं

देहरादून, रविवार को पर्यटन नगरी मसूरी का मौसम पर्यटकों के लिए खास रहा। सुबह हल्की धूप खिलने के बाद दोपहर में अचानक आसमान में काले बादल छा गए और बारिश के साथ ठंडी हवाएं चलने लगीं। मौसम में आए इस बदलाव से ठंडक बढ़ गई और लोग गर्म कपड़ों में नजर आने लगे। बारिश के बावजूद माल रोड पर पर्यटकों की भीड़ उमड़ी रही। सैलानी यहां के खुशनुमा मौसम का आनंद लेते हुए टहलते और खरीदारी करते दिखे। स्थानीय दुकानदारों के लिए भी यह भीड़ राहत लेकर आई। पर्यटकों ने कहा कि मसूरी का मौसम हमेशा अप्रत्याशित रहता है और यही इसकी खूबसूरती है।

रक्तदान व निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों छेत्रवासी हुए लाभान्वित

देहरादून। कैन्ट विधानसभा क्षेत्र के कमलेश्वर महादेव मंदिर में रविवार में श्री महाकाल सेवा समिति व सम्पूर्ण समर्पण फाउंडेशन की ओर से रक्तदान व स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें भारी संख्या में क्षेत्रवासियों ने स्वास्थ्य लाभ लिया, इसी के साथ रक्तदान करने वालों में भी काफी उत्साह देखा गया। इसमें श्री महाकाल सेवा समिति के धर्मार्थ औषधालय से डॉक्टर वीरेंद्र मेहरा ने कैंप में आए हुए रोगियों का निशुल्क उपचार किया। शुगर रोगी, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, इलेक्ट्रोपेथी मेडिसिन भी निशुल्क वितरित की गई। इस अवसर पर लालचंद शर्मा, जोगिंदर पुंडीर, समिति के अध्यक्ष अनिता शर्मा, रोशन राणा, बालकिशन शर्मा, संजीव गुप्ता, गौरव जैन, आयुष जैन, राहुल माटा, विक्रम चौधरी, विनय प्रजापति, हिमांशु कोटनाला, प्रशांत कुमार, कृतिका राणा ,अनुष्का राणा, वनिता घर, अनुराग गौड़, वसुंधरा, विशेष भारद्वाज, देवाशीष कौशिक, रघुनंदन शर्मा, स्नेह भारद्वाज, अभय उनियाल, दलीप शर्मा, सोनल जसूजा और क्षेत्रीय पार्षद रेणु देवी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

वन पंचायत को मजबूत करने के लिए तैयार की योजना

चमोली। विकासखंड ज्योतिर्मठ के पेंग गांव में वन पंचायत को मजबूत बनाने के लिए पंचवर्षीय योजना तैयार की गई। ग्रामीणों की ओर से इसके लिए कई सुझाव दिए गए। जल जंगल जमीन के संरक्षण के लिए पेंग गांव में नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क और जनदेश संगठन कल्प क्षेत्र की ओर से संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इसमें पंचवर्षीय सूक्ष्म नियोजन तैयार करने पर चर्चा करते हुए ग्रामीणों ने प्लान तैयार किया। इसमें क्षेत्र में जल संरक्षण, सघन वन तैयार करने, वन पंचायतों के पारीस्थितिकी तंत्र को ठीक करने, छोटी-छोटी परियोजनाएं बनाने के प्रस्ताव रखे गए। साथ ही नमी संरक्षण के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया गया।

वन पंचायत सरपंच राकेश राणा ने कहा कि वन पंचायत में सघन पौधरोपण, वनाग्नि सुरक्षा के साथ वन्य जीवों से फसलों को हो रहे नुकसान को रोकने के लिए गंभीरता से काम करने की जरूरत है। जनदेश के रघुवीर सिंह चौहान ने लोगों को प्रशिक्षित करने और वन पंचायत की नियमित बैठकें आयोजित करने पर जोर दिया। जनदेश के सचिव लक्ष्मण सिंह नेगी ने कहा कि ग्रामीण संसाधन विकसित करने की जरूरत है। कहा कि प्रकृति के संरक्षण के साथ मानव संसाधन का विकास भी जरूरी है। ट्रैकिंग रूटों पर होमस्टे, नर्सरी विकास, चारा विकास योजनाओं को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है। इस दौरान शुभम कुमार, आयुष राणा, देवेंद्र बड़वाल, मोहन सिंह, कुश राणा, जमन सिंह, नंदन सिंह, बलवंत सिंह, नौमा देवी, लीला देवी, आनंदी देवी, नंदी देवी, विशौधा देवी, राखी देवी, सुनीता देवी आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण के लिए उत्तरकाशी को स्कॉच अवार्ड

उत्तरकाशी। नई दिल्ली में आयोजित स्कॉच अवार्ड के 106वें संस्करण में जनपद उत्तरकाशी को वेस्ट टू रिसोर्स प्रोजेक्ट के लिए सम्मानित किया गया। इस प्रोजेक्ट के तहत कचरे को उपयोगी चीजों में बदला जा रहा है जिसमें गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं की ओर से बहाए गए कपड़ों को एकत्र किया गया। उत्तरकाशी की इस पहल ने उत्तराखंड को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। पिछले साल भागीरथी नदी से 15 टन से ज्यादा कपड़े जमा हुए। इन कपड़ों से महिलाओं ने फाइल फोल्डर, दरी और मैट जैसे सामान तैयार किए। यह काम स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने किया जिससे उन्हें रोजगार मिला और उनकी आय भी बढ़ी। जिला प्रशासन ने रीप प्रोजेक्ट के तहत इन उत्पादों को खरीदने के लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को बाजार भी उपलब्ध कराया। महिलाओं को तैयार उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने के लिए डीएम ने सभी विभागों को सहयोग के लिए कहा था जिसके बाद विभागों ने भी स्थानीय स्तर पर बने फाइल फोल्डर्स का उपयोग किया। त्रिस्तरीय चुनावों में उत्पादों के उपयोग की पहल से शुरुआती चरण में ही महिलाओं को तीन लाख रुपये से अधिक के ऑर्डर प्राप्त हुए जिससे उनका मनोबल बढ़ा और आय के नए अवसर बने।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा
जयन्त कार्यालय
चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली
उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338